

4/5/22

पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान उपस्थित है। ~~पक्ष~~
पीठासीन अधिकारी महोदय वीरे/ ~~अपराध~~/अन्य
सज्जमान में तस्वीर रखते हैं। पत्रावली दि 23/8/22
को पेश हो।

23/8/22

पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान उप
स्थित बहल प्रपत्र ग.प्र. सुनी गई। पत्रावली
वास्ते आदेश दिनांक 26/8/22 को
पेश हो।

26/8/22

पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान उपस्थित
है। बहल प्रपत्र ग.प्र. में वकील पक्षकारान
ने अपने प्रार्थना पत्र एवं जवाब प्रार्थना
पत्र में वगैरि तथ्यों की दोहराया। प्रार्थना
खसरा सं. 169/399 व 350/462 का
रिकार्ड खतेदार है। अप्रार्थगण प्रार्थना
के एक व प्राधिपत्य की श्रमि में किसी
प्रकार से कानूनन अधिकार नहीं रखता
है। प्रार्थना रिकार्ड खतेदार होने से
प्रथम दृष्टया मामला प्रार्थना के पक्ष
में साबित होता है। रिकार्ड खतेदार
होने से अप्रार्थगण के विरुद्ध अस्थायी
निषेधाज्ञा जारी नहीं करने पर प्रार्थना को
अपूर्णनीय क्षति हो सकती है। अतः
अपूर्णनीय क्षति का बिन्दु भी प्रार्थना के
पक्ष में साबित होता है। सुविधा सन्तुलन
का बिन्दु भी प्रार्थना के पक्ष में है।
अप्रार्थगण को अस्थायी निषेधाज्ञा

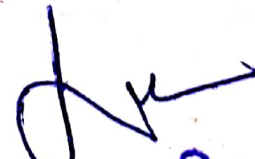
तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर
अहम
हुकम
में

पाबंद किया जाना न्यायोचित प्रतीत होता है। अतः ग्राम जममुन्दा तहसील नैनवां की खाता संख्या नयी 100 की खसरा संख्या 169/399 रुकबा 3 बीघा, खसरा संख्या 350/462 रुकबा 5 बीघा कुल कितना 2 कुल रुकबा 8 बीघा भूमि के सम्बन्ध में तार्फे सला बाद अपाथगिण को अस्थायी निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि उक्त आराजी पर उर्फी को हांकने जोतने व फसल बोने से नही शिके, उर्फी को आराजी पर से बेदखल करके जबरदस्ती कब्जा नही करे, न किसी अन्य से ऐसा करवै। निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया गया।

पत्रावली बाद तकमील मूलवाद के साथ संलग्न रहे।


उपखण्ड अधिकारी
बैनवां (बून्दी)